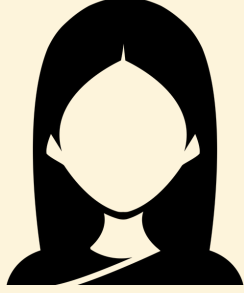


# कोरोना के खिलाफ..... सरकार के सिपाही

बेशक कोरोना महामारी ने हम सभी को बुरी तरह से प्रभावित किया है लेकिन सरकार के कुछ ऐसे जांबाज सिपाही भी हैं जो हम-आप सभी के जीवन को बचाने के लिए नियमित प्रयास कर रहे हैं। ऐसे समय में अपने कर्तव्य से ऊपर उठकर कार्य करने वाले इन सिपाहियों की आवाज़ हम आप तक पहुंचाकर इनका धन्यवाद करना चाहते हैं।

## कौन

ए.एन.एम, आशा,  
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता



## आमतौर पर काम

लाभार्थियों तक  
स्वास्थ्य एवं पोषण  
संबंधी सेवाएं पहुंचाना

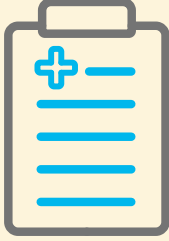


“जनता की सेवा कर पा रहे हैं, यह एक अच्छी बात है मगर बुरा तो यह लगता है की खुद की सुरक्षा को लेकर हमेशा डर बना रहता है। जब जानकारी जुटाने जाते हैं तो लोग हमें गालियां भी देते हैं”।

-ए.एन.एम., राजस्थान

## कोरोना की तैयारी

- विभाग द्वारा कोरोना वायरस में होने वाले लक्षणों के बारे में बताया गया तथा इसके संदर्भ में लोगों को जागरूक करने को कहा गया।
- ज़्यादातर निर्देश फोन अथवा व्हाट्सएप्प के माध्यम से ही दिए गए।



## कोरोना के समय मुख्य काम

- कोरोना के दौरान गर्भवती/ धात्री महिलाओं समेत सभी लाभार्थियों तक स्वास्थ्य & पोषण की जरूरी सेवाएं पहुंचाना ।
- बीमारी से जुड़े लक्षणों तथा उपायों के बारे में उन्हें जागरूक करना।
- देश-विदेश से आये लोगों को क्वारंटीन करना तथा उनसे नियमित जुड़े रहना तथा गंभीर स्थिति में स्वास्थ्य विभाग को सूचित करना।
- बाहर से आये प्रवासी लोगों के रिकॉर्ड बनाना तथा पंचायत के साथ सामंजस्य स्थापित करके उनके लिए खाने-पीने की व्यवस्था सुनिश्चित करना।

## चुनौतियाँ

- मास्क, सेनेटाइज़र जैसी जरूरी चीजें भी नहीं दी गयी हैं तो ऐसे में खुद को सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती है।
- फील्ड में घर-घर जाने का कोई साधन नहीं है और दूर तक पैदल जाना पड़ता है।
- कुछ लोग अपने घर में ही नहीं आने देते ना ही जानकारी देते हैं, बाहर घूमते हैं।



“

हमारे पास खुद की सेफ्टी के लिए कुछ भी नहीं है। घरों की संख्या बहुत ज्यादा है और ऐसे में हर रोज उनके स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए जाते हैं। जो 18 से 25 साल के लड़के हैं, वह सभी चीजें मजाक में लेते हैं। हमारे बार-बार बताने के बावजूद भी वह बाहर बैठते हैं तथा हमारी बातें ठीक से नहीं सुनते हैं”।



”

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, महाराष्ट्र